महाविद्यालय शूटरों को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

सरकारी महाविद्यालय द्रंग स्थित नारला में ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन (OSA) के बैनर तले इंटर-कॉलेज शूटिंग प्रतियोगिता की तैयारी के लिए पिस्टल खिलाड़ियों हेतु एक विशेष अभ्यास सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का संचालन महाविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं शूटर किरण रावत ने किया। किरण रावत ने खिलाड़ियों को पिस्टल शूटिंग से जुड़ी मूलभूत तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने लक्ष्य साधने की विधि, शरीर की स्थिरता, श्वास नियंत्रण, हथियार पर पकड़ तथा एकाग्रता बनाए रखने जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही, उन्होंने खिलाड़ियों को मानसिक संतुलन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के महत्व से भी अवगत कराया। इस प्रैक्टिस सेशन में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। उनका कहना था कि इस तरह का प्रशिक्षण उन्हें आगामी इंटर-कॉलेज शूटिंग प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर गेम इंचार्ज प्रो. हुकम चंद ने पूरे कार्यक्रम का सफल प्रबंधन किया और खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत व नियमित अभ्यास के लिए प्रोत्साहित किया।

खिलाड़ियों को समझाई हथियार पर उचित पकड़ रखने की तकनीक

विद्यार्थियों को बताया जिताने का अधिकार

पधर कालेज में इंटर-कालेज शूटिंग प्रतियोगिता की तैयारी हेतु विशेष अभ्यास सत्र आयोजित

एक नजर

नारला में पिस्टल शूटिंग खिलाड़ियों के लिए अभ्यास सत्र

पढ्डर। द्रंग स्थित पढ्डर सरकारी महाविद्यालय के नारला परिसर में ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आगामी इंटर-कॉलेज शूटिंग प्रतियोगिता को लेकर पिस्टल खिलाड़ियों के लिए एक विशेष अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण सत्र का सफल संचालन महाविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं अनुभवी शूटर किरण रावत ने किया। इस अभ्यास सत्र में किरण रावत ने खिलाड़ियों को पिस्टल शूटिंग की मूलभूत तकनीकों सहित लक्ष्य साधने की सही विधि, शरीर की स्थिरता बनाए रखने, श्वास नियंत्रण, हथियार पर मजबूत पकड़ और एकाग्रता बनाए रखने के शास्त्रों पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने बताया कि इन तकनीकों का सही अभ्यास करने से शूटिंग की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होता है। साथ ही, किरण रावत ने मानसिक संतुलन और अनुशासन को अत्यंत आवश्यक बताया तथा निरंतर अभ्यास के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि केवल तकनीक ही नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता भी प्रतिस्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है। गेम इंचार्ज प्रोफेसर हुकम चंद ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

डिजिटल युग में निजता का अधिकार और सोशल मीडिया पर पूर्व छात्रा हिमानी का व्याख्यान

दिनाँक: 28 अगस्त, 2025 को महाविद्यालय द्रंग स्थित नारला में ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं वर्तमान में विधि की अंतिम वर्ष की छात्रा हिमानी ने "डिजिटल युग में निजता का अधिकार और सोशल मीडिया" विषय पर छात्रों से संवाद स्थापित किया। हिमानी ने अपने व्याख्यान में विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। जहाँ यह अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, वहीं दूसरी ओर इससे व्यक्ति की निजता पर गंभीर खतरे भी उत्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने छात्रों को संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों विशेषकर अनुच्छेद 21 के तहत निजता के अधिकार के महत्व से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने डिजिटल प्राइवेसी से जुड़ी वर्तमान कानून व्यवस्था, जैसे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम तथा हाल ही में बने विभिन्न दिशानिर्देशों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम को और अधिक रोचक बनाने के लिए हिमानी ने छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सेशन भी किया। इसमें छात्रों ने उनसे यह जानने का प्रयास किया कि किस प्रकार साइबर अपराधों से स्वयं को सुरक्षित रखा जा सकता है और सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। हिमानी ने व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से बताया कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी समस्या का कारण बन सकती है।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कल्याण चन्द मंढोत्रा ने इस अवसर पर कहा कि इस प्रकार के व्याख्यान छात्रों को डिजिटल नागरिकता के प्रति जागरूक करते हैं और उन्हें अपने अधिकारों व कर्तव्यों के बारे में सजग बनाते हैं। उन्होंने हिमानी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह गर्व का विषय है कि महाविद्यालय की पूर्व छात्रा आज समाज के लिए इतने महत्वपूर्ण विषय पर मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं।

https://www.facebook.com/share/v/1AtcHShUgU/

पद्धर। पद्धर स्थित महाविद्यालय द्रंग के नारला कैंपस में ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में एक विशेष और महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं वर्तमान में विधि की अंतिम वर्ष की छात्रा हिमानी ने डिजिटल युग में निजता का अधिकार और सोशल मीडिया विषय पर छात्रों को जागरूक करते हुए संवाद स्थापित किया। हिमानी ने अपने व्याख्यान में बताया कि आजकल सोशल मीडिया हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुका है, जो अभिव्यक्ति का प्रमुख माध्यम होने के साथ-साथ व्यक्ति की निजता के लिए गंभीर चुनौतियां भी लेकर आया है। उन्होंने बताया कि संविधान में प्रदत मौलिक अधिकारों में अनुच्छेद 21 के तहत निजता का अधिकार अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसे डिजिटल युग में विशेष रूप से संरक्षित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम सहित डिजिटल प्राइवेसी से जुड़े वर्तमान कानूनों और हाल ही में जारी किए गए दिशानिर्देशों से अवगत कराया। हिमानी ने सोशल मीडिया के उपयोग के दौरान सतर्कता बरतने की सलाह दी और बताया कि किस प्रकार साइबर

Principal (Signature of Principal)
Govt. Degree College Drang
(प्राचार्य के हस्ताक्षर)
at Narla Distt. Mandi(H.P)